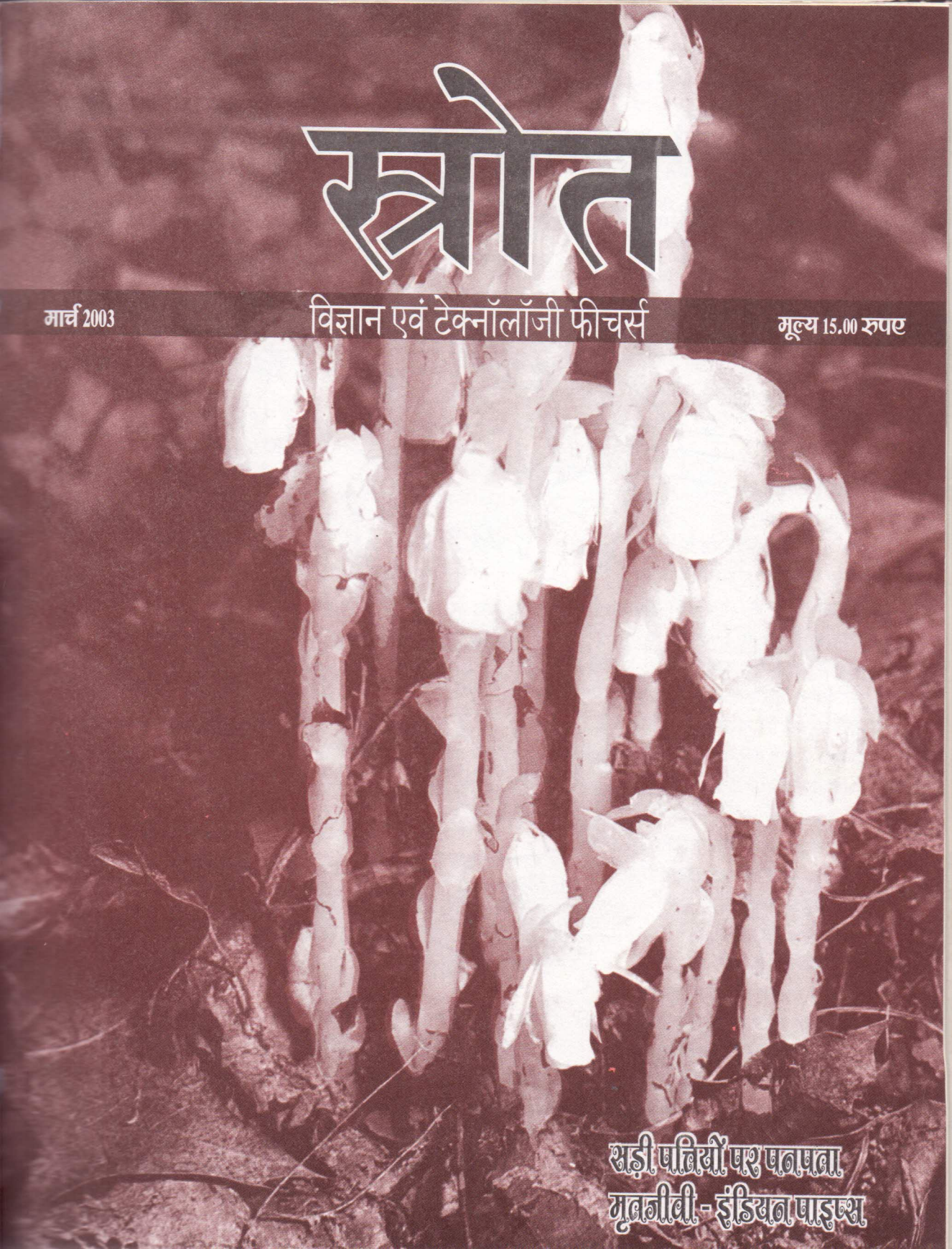

स्रोत

मार्च 2003 विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स मूल्य 15.00 रुपए

सवाल-जवाब

सिर की चोट और तारे नज़र आना

सवाल - सिर पर चोट लगे तो तारे क्यों नज़र आते हैं?

जवाब - खुदा न करे आपको सिर पर चोट लगे। मगर लग जाए और तारे नज़र आएं तो यहां दी गई व्याख्या पढ़कर संतोष कर लें।

हमारी आंखों में पीछे की ओर एक पर्दा होता है जिसे रेटिना कहते हैं। जब प्रकाश इस रेटिना पर पड़ता है तो वहां कुछ रासायनिक क्रियाएं होती हैं। इन रासायनिक क्रियाओं की वजह से विद्युत संकेत उत्पन्न होते हैं। ये विद्युत संकेत प्रकाश तंत्रिका के माध्यम से मस्तिष्क के एक विशेष हिस्से तक पहुंचते हैं। मस्तिष्क इन संकेतों को प्रकाश के रूप में समझता है। आम तौर पर दिमाग इन संकेतों की सही व्याख्या ही करता है। मगर रेटिना पर कोई भी उद्दीपन आए और रेटिना से मस्तिष्क को संकेत जाए तो मस्तिष्क यही मानकर चलता है कि रेटिना पर प्रकाश पड़ रहा है।

ऐसा सबसे आम उद्दीपन होता है रेटिना पर दबाव। रेटिना पर दबाव आंख पर किसी तनाव की वजह से पड़ सकता है। आंख के अन्दर एक जेलीनुमा तरल - विट्रियस ह्यूमर भरा होता है। इसका अपना एक दबाव होता है। इस दबाव में परिवर्तन हो तो भी रेटिना उसे महसूस करता है। मसलन यदि आप एक अंधेरे कमरे में आंखें बन्द करके हल्के से दबाएं तो आपको किनारों पर मद्दिम रोशनी नज़र आना किसी गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकता है। मसलन हो सकता है कि रेटिना क्षतिग्रस्त हो गया हो। इसका एक और कारण भी हो सकता है। जेलीनुमा विट्रियस ह्यूमर रेटिना से कई बिन्दुओं पर जुड़ा होता है। यदि इन बिन्दुओं पर खिंचाव पैदा हो तो भी रोशनी की झलक दिखाई पड़ती है। अपनी आंख को तेज़ी से मटकाएं तो कई बार ऐसा हो जाता है। खास तौर से यदि आंख बन्द करके ऐसा करें तो तारे नज़र आ सकते हैं।

उम्र के साथ विट्रियस ह्यूमर और रेटिना के ये जुड़ाव टूटने लगते हैं। यह कोई समस्या नहीं है मगर यदि टूटते समय रेटिना का कुछ हिस्सा भी उखड़ जाए तो दिक्कत हो सकती है। ऐसा होने पर व्यक्ति को लगता है कि उसकी आंख के सामने लगातार कोई चीज़ तैर रही है। तारे दिखने की घटना माइग्रेन के साथ भी होती है। यदि आपको दिन में ज़्यादा ही तारे नज़र आते हैं तो बेहतर होगा कि किसी नेत्र विशेषज्ञ को बताएं। शायद आपको डॉक्टरी मदद की ज़रूरत हो। *(स्रोत विशेष फीचर्स)*

✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲✲